भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †175

सोमवार, 25 नवम्बर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भारतीय पर्यटन उद्योग

†175. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:

श्रीमती भारती पारधी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्वव्यापी पर्यटन राजस्व अर्जित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है;

(ख) यदि हां, तो क्या विभिन्न प्रकार के पर्यटकों के बीच उनके भ्रमण के उद्देश्य को समझने और विश्लेषण करने के लिए अंतर करना आवश्यक है;

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं और अब तक क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं;

(घ) क्या भारतीय पर्यटन उद्योग विभिन्न चुनौतियों/समस्याओं/कठिनाइयों का सामना कर रहा है;

(ङ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(च) उक्त समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है और अब तक क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं; और

(छ) सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग से संबंधित मुद्दों के समाधान में सहायता करने के लिए बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान अतिरिक्त रोजगार सृजित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): सितंबर 2024 में प्रकाशित यूएनडब्ल्यूटीओ बैरोमीटर के अनुसार, वर्ष 2023 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन से 1.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात संबंधी राजस्व दर्ज किया गया, जिसमें यात्री परिवहन की प्राप्तियों के साथ-साथ पर्यटन गतिविधियां भी शामिल हैं।

आप्रवासन ब्यूरो के आंकड़ों के आधार पर, पर्यटन मंत्रालय विदेशी पर्यटकों को उनकी यात्रा के उद्देश्य के अनुसार 6 श्रेणियों में वर्गीकृत करता है। 2023 में कुल विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) की संख्या 9.52 मिलियन थी। इसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	पर्यटक श्रेणी	प्रतिशत हिस्सेदारी
1	अवकाश और मनोरंजन	46.2
2	भारतीय प्रवासी	26.9
3	बिजनेस और प्रोफेशनल	10.3
4	चिकित्सा	6.9
5	छात्र	0.5
6	अन्य (अज्ञात सहित)	9.2
	कुल	**100.0**

(घ) से (छ): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निम्नानुसार कई कदम उठाए हैं:

1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, केंद्रीय एजेंसियों और निजी हितधारकों के सहयोग से 'स्वदेश दर्शन', 'प्रशाद' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' जैसी योजनाओं के तहत देश भर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार करना।

2. संबंधित मंत्रालयों के सहयोग से देश भर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर कनेक्टिविटी और पहुंच को बढ़ाना। पर्यटन मंत्रालय ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, रेल मंत्रालय और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के साथ साझेदारी की है।

3. क्षमता निर्माण, कौशल विकास पर केंद्रित पहलों जैसे कि अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता (आईआईटीएफ), 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' तथा 'देखो अपना देश', 'चलो इंडिया', 'अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट' और 'भारत पर्व' जैसे कार्यक्रमों और अभियानों के माध्यम से समग्र गुणवत्ता और अतिथि के अनुभव को बढ़ाना।

*****